



20

हिंदुस्तान

#### 4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

- गाँव - गाँव का जीवन सरल और साधा होता है।
- आजीवन - किसान आजीवन कष्ट में रहता है।
- ग्रामीण - ग्रामीण संस्कृति ही भारत की अखली संस्कृति है।
- ज्ञान - ज्ञान के बिना जीवन अधूरा है।
- विपदा - विपदा आने पर ही मित्र-शत्रु की पदचान होती है।

#### भाषा कौशल

1. जहाँ एक वर्ण की आवृत्ति एक से अधिक बार होती है, वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है।

जैसे- पुरई, पालों, रहिमा-रमुआ आदि।

पाठ में आए ऐसे अन्य उदाहरण ढूँढ़कर लिखो-

एक-नीक

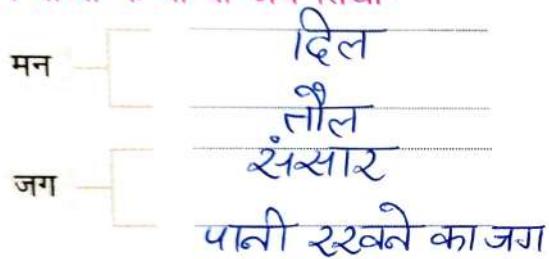
रहना-कहना

सहना-रहना

नर-नारायण

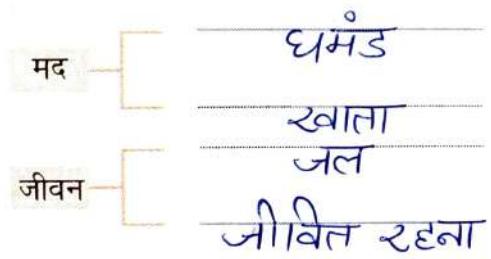


2. इन शब्दों के दो-दो अर्थ लिखो-



3. शब्द के शुद्ध रूप पर (✓) का निशान लगाओ-

- |                |                                     |            |
|----------------|-------------------------------------|------------|
| (क) हिंदुस्तान | <input checked="" type="checkbox"/> | हिंदूस्तान |
| (ख) भ्रम       | <input type="checkbox"/>            | श्रम       |
| (ग) रामायन     | <input type="checkbox"/>            | रमायण      |
| (घ) पोषणकर्ता  | <input checked="" type="checkbox"/> | पोशणकर्ता  |
| (ङ) सवतंत्रता  | <input type="checkbox"/>            | स्वतंत्रता |



- |                                     |            |                                     |
|-------------------------------------|------------|-------------------------------------|
| <input type="checkbox"/>            | हिंदुस्थान | <input type="checkbox"/>            |
| <input checked="" type="checkbox"/> | स्वर्ग     | <input type="checkbox"/>            |
| <input type="checkbox"/>            | रामायण     | <input checked="" type="checkbox"/> |
| <input type="checkbox"/>            | पोषकर्ता   | <input type="checkbox"/>            |
| <input checked="" type="checkbox"/> | स्वतंत्रता | <input type="checkbox"/>            |

## करो और सीखो-

1. “कवि के अनुसार असली हिंदुस्तान गाँवों में बसता है।” कवि ने हिंदुस्तान का जो वर्णन किया है, उसे संक्षेप में अपने शब्दों में लिखो।

उ० “कवि के अनुसार असली हिंदुस्तान गाँवों में बसता है।” इसलिए माना है क्योंकि भारत कृषि प्रधान देश है। यहाँ की अधिसंख्य आबादी गाँवों में ही बसती है इसलिए गाँवों में टूटे-फूटे घर हैं। किसान हल चलाकर अन्न पैदा करते हैं, खपरैलों के भी कुछ घर मिल जाएँगे। नदी, लोग नावों से पार करते हैं, गाँव में लोग पूरे जीवन परिश्रम करते हैं और कभी कुछ नहीं कहते हैं; विपत्तियाँ आती हैं, उन्हें चुपचाप सहन कर लेते हैं; उनकी आहों और आसूँओं पर कोई भी लिखता नहीं है, उनके पुस्तकालय चार-पाँच तुलसीकृत रामायण के होते हैं। वे लोग समय मिलने पर कभी-कभी रामायण सुनकर राम का नाम ले लेते हैं। उनका जीवन बहुत ही कष्टमय है। एक वक्त का भोजन ही जुटा पाते हैं, पहनने के लिए उनके पास केवल फटी लँगोटी ही रहती है। लेकिन असली भगवान गाँवों के लोग ही हैं क्योंकि वे ही अन्न पैदा करके विश्व का भरण-पोषण करते हैं।